MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Ajit Kumar Bhuyan: Shri Javed Ali Khan (Uttar Pradesh), Shri Sandosh Kumar P. (Kerala), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra) and Dr. V. Sivadasan (Kerala).

Need to improve facilities to Railway passengers

श्री इमरान प्रतापगढ़ी (महाराष्ट्र) : उपसभापति महोदय, मैं आज सदन में ट्रेनों में यात्रा करने वाले देश भर के यात्रियों का दु:ख-दर्द साझा करना चाहता हूँ।

'वादा किया गया था, उजालों का क्या हुआ?
जन्नत के उन हसीन हवालों का क्या हुआ?
शाहों की सैर के लिए रास्ते तो बन गए,
लेकिन हमारे पैर के छालों का क्या हुआ?'

कहां तो हवाई चप्पल वाला हवाई जहाज में यात्रा करेगा और लोकल ट्रेन वाला बुलेट ट्रेन में यात्रा करेगा, ऐसे नारे हम सुनते रहे और धरातल पर स्थिति यह हो गई कि रेलवे की पुरानी यात्री सुविधाएं भी रसातल में चली गईं।

महोदय, देश में रेल को आम जनता का यातायात माना जाता है। क्या सरकार इस सस्ते सार्वजनिक परिवहन को असुरक्षित, असम्मानजनक और असुविधाजनक बना देगी? उपसभापति महोदय, आम जनता के लिए वेटिंग टिकट की समस्या इतनी बड़ी त्रासदी है कि इसे रेल मंत्रालय शायद समझना ही नहीं चाहता। महीनों पहले भी अगर ट्रेनों का टिकट लेने का प्रयास कीजिए तो अधिकांश टिकट वेटिंग में ही मिलेगा या फिर तत्काल के नाम पर आपकी जेब लूटी जाएगी। महोदय, आजकल तो डायनेमिक फेयर के नाम पर * चल रही है। अभी पिछले महीने नवम्बर में मुम्बई से पटना जाने वाली सुविधा एक्सप्रेस में सेकंड एसी का फेयर...

श्री उपसभापति : माननीय इमरान प्रतापगढ़ी जी, we will have to check whether the word * is unparliamentary or not. Please, be careful.

श्री इमरान प्रतापगढ़ी : ठीक है, सर। मैं उस शब्द को वापस ले रहा हूँ। मैं पुन: लूट शब्द इस्तेमाल कर रहा हूँ कि डायनेमिक फेयर के नाम पर लूट चल रही है। अभी पिछले दिनों नवंबर में मुंबई से पटना जाने वाली सुविधा एक्सप्रेस में सेकंड एसी का फेयर 9,395 रुपए पहुंच गया था। बेस फेयर 2,950 रुपए था, उस पर 5,900 का डायनेमिक फेयर - गजब की लूट है! क्या रेल मंत्रालय ऐसी कोई तरकीब विकसित नहीं कर सकता, जिसमें वेटिंग टिकट लेने वाली यात्रियों के लिए अलग से कोच लगाया जाए?

---

* Withdrawn by the hon. Member.

उपसभापति महोदय, रेलवे में सुरक्षा और रेलवे की सुरक्षा, आजकल दोनों भगवान भरोसे हैं। रेल दुर्घटनाओं की बाढ़ आ गई है। ओडिशा के ट्रेन हादसे में मारे गए सैकड़ों यात्रियों के परिवारों के आंसू अभी सूखे नहीं हैं। पहले रेल हादसे होते थे, रेल मंत्री जवाबदेही लेते थे, जमीर की आवाज पर इस्तीफा दिया करते थे। अब शायद जमीर की आवाजें नहीं होती हैं, क्योंकि रेल मंत्री जवाबदेही नहीं लेते, इस्तीफा नहीं देते। भाजपा की सरकारों में इस्तीफे नहीं हुआ करते। यात्रियों की सुरक्षा की सुध भला कौन ही ले, जब मंत्री जी को फुर्सत ही नहीं है! 25 नवंबर को मध्य प्रदेश के मूंगावली स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रही महिला से जीआरपी अधिकारी गैंगरेप करता है। रेल मंत्री जी वन्दे भारत के वीडियो ट्वीट करके अपडेट करते हैं। मैं उनसे कहूंगा कि कभी पटना-लखनऊ-इलाहाबाद से दिल्ली और मुंबई जाने वाली ट्रेनों के डिब्बों का वीडियो शूट कराकर आप ट्विटर पर डालिए, तब समझ में आए कि असलियत कहां पर है और सच्चाई कहां पर है। बुलेट ट्रेन की बाट जोह रहे इस देश के पास लोकल ट्रेनों की सुविधाएं लगभग समाप्त हैं। आरपीएफ का जवान चेतन सिंह ट्रेनों में पूछ-पूछ करके लोगों को गोली मारता है, लेकिन सरकार एक ट्वीट तक करना गवारा नहीं समझती, मंत्री जी एक शब्द बोलना नहीं चाहते। इन सुविधाओं को सुधारा जाए, मेरा यह अनुरोध है।

श्रीमती फूलो देवी नेतम (छत्तीसगढ़) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करती हूँ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Imran Pratapgarhi: Shri Sandosh Kumar P. (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Shri M. Shanmugam (Tamil Nadu), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu) and Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu).

Demand to start Railway services from Baripada to Balasore in Odisha

श्रीमती ममता मोहंता (ओडिशा) : उपसभापति महोदय, आपने मुझे एक महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद।

महोदय, किसी भी अंचल का विकास तभी संभव है, जब उस अंचल में यातायात की संपूर्ण सुविधा हो और देश के किसी भी स्थान से उस अंचल में सुविधा के साथ पहुँचा जा सके, चाहे वह विमान सेवा हो, रेल सेवा हो, बस सेवा हो या कोई भी सेवा हो। ओडिशा के मयूरभंज जिले में कप्तिपाड़ा सब डिवीजन है, जहां के लोग रेल सेवा पाने से वंचित हैं। भारत को स्वाधीन हुए 75 साल हो गए, लेकिन दुख की बात यह है कि इस जिले के कप्तिपाड़ा सब-डिवीज़न के लाखों लोग रेल सेवा से वंचित हैं। इस इलाके के लोग रेल सेवा पाने के लिए सौ किलोमीटर दूर यातायात करते हैं। मेरा रेल विभाग से प्रस्ताव और अनुरोध है कि बारीपदा से खुन्टा, उदला, कप्तिपाड़ा, नीलगिरी होकर बालेश्वर स्टेशन तक रेल कनेक्ट की जाए। वहां रेल कनेक्ट होगी तो उस इलाके के लोग रेल सेवा पा सकेंगे और भुवनेश्वर-दिल्ली के जैसे देश की अन्य सभी जगहों पर सुविधापूर्वक यातायात कर सकेंगे। अगर इस अंचल में रेल सेवा होगी तो इसका विकास भी होगा।